RTI REQUEST DETAILS

Registration No. :	WLIOI/R/2018/80008	**Date of Receipt :**	05/06/2018
Transferred From :	Ministry of Environment, Forest and Climate Change on 05/06/2018 With Reference Number : MOENF/R/2018/00453		
Remarks :	**Please provide available information if any to the applicant.**		
Type of Receipt :	Electronically Transferred from Other Public Authority	**Language of Request :**	English
Name :	Sachhidanand Sahay	**Gender :**	Male
Address :	Shiv Mandir, Nalacha South Shivpur, Hazibagh Jharkhand, Pin:825301		
State :	Details not provided	**Country :**	Details not provided
Phone No. :	Details not provided	**Mobile No. :**	Details not provided
Email :	Details not provided		
Status(Rural/Urban) :	Details not provided	**Education Status :**	Details not provided
Letter No. :	Details not provided	**Letter Date :**	19/04/2018
Is Requester Below Poverty Line ? :	No	**Citizenship Status**	Indian
Amount Paid :	0 (RTI fee is received by **Ministry of Environment, Forest and Climate Change (original recipient))**	**Mode of Payment**	Details not provided.
Does it concern the life or Liberty of a Person ? :	No(Normal)	**Request Pertains to :**	
Information Sought :	Please find the attached scan file		
Original RTI Text :	Please find the attached scan file		

Print Save Close

सूचना का अधिकार

0098/आर.टी.आई./04/18-19
राष्ट्रपति सचिवालय
PRESIDENT'S SECRETARIAT
आर.टी.आई. अनुभाग

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004.
Rashtrapati Bhavan, New Delhi-110004.
19 अप्रैल 2018

सेवा में,
केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड, नई दिल्ली।

महोदय,

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत श्री सच्चिदानद सहाय का दिनांक 07.04.2018 का आवेदन पत्र दिनांक 12.04.2018 को प्राप्त हुआ है। वांछित सूचना आपके द्वारा धारित/आपके कृत्यों से निकट रूप से संबंधित होने के कारण उक्त आवेदन पत्र आपके कार्यालय को सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 6(3) के तहत हस्तांतरित किया जा रहा है।

2. आवेदक ने इसके लिए शुल्क के रूप में ₹ 10/- (रूपये दस मात्र) का भुगतान इस सचिवालय में कर दिया है।

भवदीय

जे० जी० सुब्र

(जे. जी. सुब्रमणियन)
उपसचिव और के. लो. सू. अ.
दूरभाष: 011-23015321

प्रतिलिपि सूचनार्थ:
श्री सच्चिदानद सहाय
शिव मंदिर, नालाचा, दक्षिणी शिवपुरी
हजारीबाग, झारखण्ड–825301.

वांछित सूचना इस सचिवालय में उपलब्ध नहीं है। अत: आपका पत्र संबंधित कार्यालय को हस्तांतरित किया जा रहा है। भविष्य में इससे संबंधित जानकारी के लिए उपरोक्त कार्यालय से सीधे संपर्क करें।

जे० जी० सुब्र
उपसचिव और के. लो. सू. अ.

RTI Cell
Application/Appeal No. MOEF... R/2018/453
App. Dated... 19/4 ...Received on... 25/5
Fee/Additional Fee Received vide DD./P.O. No. ... Transferred from (P.S)
Name of CPIO AA ... See C R.N. Pankaj (CP)

Sh. R.N. Pankaj, 'Scientist 'D'

प्रपत्र 'क'
(नियम 3 (1)में देखें)
(कार्यालय प्रयोग के लिए)

अधिनियम प्रार्थना पत्र/RTI Application
राष्ट्रपति सचिवालय/President's Secretariat
(सू का अधि) अनुभाग/(RTI) Section
डायरी सं०/Dy. No. 0098/RTI/04/18-19
दिनांक/Date 12.04.2018
हस्ताक्षर/Signature [signature]

सूचना का अधिकार
Right to Information

सेवा में,

लोक सूचना पदाधिकारी राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-4
(विभाग / कार्यालय)
1. आवेदक का नाम : श्री सच्चिदानन्द राठौर, शिव मंदिर, नालाबा, दक्षिणी शि...
2. पूरा पता : हजारीबाग, झारखंड- 825301
3. माँगी गई सूचना का ब्यौरा (संक्षेप में)

भारत के विभिन्न राज्यों में शोर-शराबे की वजह से पशु-पक्षियों की मात्रा, व्यवहार, प्रजनन आदि में क्या-क्या परिवर्तन आ रहे हैं?

[signature]

अनुभाग- I (सू.अ.)

मैं एतद् द्वारा घोषित करता/करती हूँ कि मेरी जानकारी में माँगी गई सूचना, सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 8 एवं 9 के अन्तर्गत मुक्त नहीं है। यह आपके विभाग कार्यालय से संबंधित है।

(1) मैंने 10/- (रूपये शब्दों में) दस
तिथि
को रसीद संख्या से विभाग/कार्यालय में भुगतान किया है। ?
(2) मैंने डिमाण्ड ड्राफ्ट/भुगतानादेश सं० 102979, 102980 दिनांक 12.03.2018
जो पदाधिकारी के पक्ष में
बैंक द्वारा जारी की गयी है, फीस के रूप में संलग्न करता हूँ।
(3) मैंने रूपये का नन जुडिशियल स्टाम्प इस आवेदन में लगा दिया (संलग्न कर दिया) है।
(4) मैं गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवार का हूँ। मेरे कार्ड वांछित सर्टिफिकेट का छाया प्रति संलग्न है।

सच्चिदानन्द राठौर
आवेदक का हस्ताक्षर

स्थान हजारीबाग

तिथि 07.04.2018
शाके- चैत्र-17, 1940

ईमेल पता अगर कोई हो
दूरभाष संख्या : (कार्यालय)
(आवास)
आवेदक का पूरा पता : शिव मंदिर नालाबा, दक्षिणी शिवपुरी
हजारीबाग, झारखंड- 825301

नोट : गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवार को कोई फीस नहीं देना है। जो लागु नहीं हो उसे काट दें।
विशेष जानकारी के लिए पुस्तक देखें।

... पशु-पक्षियों का व्यवहार: रिसर्च

[illegible] की वजह से पशु-पक्षियों ने बदली भाषा, साथियों को [illegible] ऊंची आवाज में संदेश देने लगे चिड़िया, बंदर और व्हेल

[illegible]|ओटावा (कनाडा)

[illegible]-शराबे वाली जगह पर किसी से कुछ कहने के लिए हमें अपनी आवाज ऊंची और तेज करनी पड़ती है। लेकिन इसका असर अब पशु-पक्षियों पर भी दिखने लगा है। हालात ये हो गए हैं कि आम तौर पर बेजुबान माने जाने वाले इन स्पेसीज को भी अपनी आवाज और व्यवहार बदलना पड़ा है। इनमें चिड़िया से लेकर बंदर, व्हेल और डॉल्फिन तक है। इसका असर जंगलों, ऑयलफील्ड के अलावा समुद्री इलाकों में भी देखा गया है। यह चौंकाने वाली जानकारी कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ मैनिटोबा के पक्षी वैज्ञानिकों की ताजा रिसर्च में सामने आई है। इसके मुताबिक ब्राजील के वर्षा वनों के किनारों पर खनन गतिविधियों की वजह से स्थानीय ब्लैक-फ्रंटेड टिटि बंदरों के व्यवहार पर असर पड़ा है। तटीय इलाकों में ड्रिलिंग, जहाजों के इंजनों की आवाज की वजह से व्हेल और डॉल्फिन ने अपना व्यवहार बदला है। इतना ही नहीं, प्रजननकाल के दौरान इनकी आवाज में भारी बदलाव भी देखा गया है। रिसर्च के तहत कनाडा के अल्बर्टा में सवाना चिड़िया के लव सॉन्ग्स का भी अध्ययन किया गया। रिसर्च में शामिल मियागो वॉरिंगटन कहते हैं, 'अगर कोई चिड़िया अपने साथी को बुलाने के लिए गीत गाती है, लेकिन ऑयफील्ड पर पंप और मशीनों की आवाज में उसकी आवाज दब जाती है। ऐसे में वह क्या करेगी? लिहाजा इन पशु-पक्षियों ने अपनी आवाज और ऊंची और तेज कर दी है, जिससे उनके साथी तक संदेश पहुंच सके।' मेक्सिको में ऑयल-गैस इंफ्रास्ट्रक्चर के शोर की वजह से माउंटेन ब्लू बर्ड्स में तनाव बढ़ने के लक्षण मिले हैं। इसके अलावा उनके बच्चों की ग्रोथ पर भी असर पड़ा है। वो विकसित हुए बिना ही जन्म ले रहे हैं।

वॉरिंगटन शोर-शराबे वाली गतिविधियों की वजह से हमारे आस-पास की प्राकृतिक दुनिया पर पड़ने वाले असर का अध्ययन कर रहे हैं। इसके बाद उनकी टीम शोर-शराबे की वजह से पशु-पक्षियों के व्यवहार में बदलाव के बाद उनकी प्रजनन क्षमता पर होने वाले असर का अध्ययन कर रही है। 6.4.18

साथी को बुलाने के लिए अपनी विशेष धुन भी जोड़ने लगे हैं पक्षी

रिसर्च टीम ने कनाडा में 200 किलोमीटर के दायरे में 26 साइट्स पर पशु-पक्षियों का अध्ययन भी किया। इसमें 73 सवाना मेल चिड़िया पर विशेष रिसर्च की गई। कनाडा में ऑयलफील्ड में पक्षियों के आवाज और व्यवहार पर हुई रिसर्च में पता चला कि लव सॉन्ग्स के दौरान हर पक्षी अपनी एक विशेष धुन भी जोड़ता है। अगर वहां पंप [illegible] चिड़िया उसके हिसाब से अपनी आवाज में उतार-चढ़ाव लाती है। रिसर्च के दौरान पता [illegible] ये सबसे ऊंची आवाज करती है।